Roll No. : .....

Total No. of Questions : **10**] [Total No. of Printed Pages : **2**

MPHIS–09

M.Phil. Examination, 2022

HISTORY

Paper – III(b)

(History of Rajasthan in 19th and 20th Centuries)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Note :– Attempt any *five* questions out of ten. All questions carry equal marks.

नोट :– दस में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Give your own estimate of Bankidas as a Historian of Rajasthan.

   राजस्थान के इतिहास लेखन के रूप में बांकीदास का अपने दृष्टिकोण से मूल्यांकन कीजिए।

2. Discuss the historical contribution of Dayaldas.

   दयालदास के ऐतिहासिक योगदान की विवेचना कीजिए।

3. Discuss the contribution of James Tod as the source of the History of Rajasthan.

   राजस्थान के इतिहास के साधन के रूप में जेम्स टॉड के योगदान की विवेचना कीजिए।

4. Write a detailed note on Jon Malcolm as a Historian of Rajasthan.

   राजस्थान इतिहास लेखन के रूप में जॉन मालकम पर एक विस्तृत लेख लिखिए।

5. Discuss Shyamal Das as a Historian of Rajasthan.

राजस्थान के एक इतिहासकार के रूप में श्यामलदास का मूल्यांकन कीजिए।

6. Write a note on the contribution of Har Bilas Sarda in the History of Rajasthan.

राजस्थान के इतिहास में हर बिलास शारदा के योगदान पर टिप्पणी लिखिए।

7. Evaluate G.N. Ojha as a Modern Rajasthan History Writing.

आधुनिक राजस्थान के इतिहास लेखन में गौरीशंकर ओझा का मूल्यांकन कीजिए।

8. Critically evaluate the characteristics of the contribution of Pt. Ramkaran Asopa.

पं. रामकरन असोपा के योगदान की विशिष्टताओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

9. Evaluate the trends with illustrations of Modern Rajasthan History Writing.

आधुनिक राजस्थान के इतिहास लेखन की प्रवृत्तियों का उदाहरण सहित मूल्यांकन कीजिए।

10. Write a note on the contribution of V.N. Reu in History of Rajasthan.

राजस्थान के इतिहास में वी.एन. रेऊ के योगदान पर टिप्पणी लिखिए।